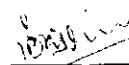


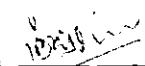
Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA 2 YEAR PG 1st YEAR		Class: M.S.W.	Year: First Year
		Session:2025-26	
Subject: Master of Social Work			
1	Course Code	CC-11	
2	Course Title	Introduction to Social Work	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course	
4	Pre- requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Social Work as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed Bachelor of Social Work (as per National Education Policy - 2020) OR 4. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	After completing this course, students will be able to: 1. Understand the basic concepts, values, and ethics of social work. 2. Describe the historical development of social work in India and globally. 3. Identify major fields and methods of social work practice. 4. Recognize the role and responsibilities of professional social workers. 5. Relate social work with other social science disciplines. 6. Apply basic social work skills in real or simulated settings.	
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4	
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40
Part B-Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=			
Unit	Topics		No. of Lectures (1 Hour Each)

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

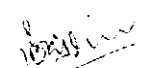
I	Concept of Social Work • Concept, definition and characteristics of Social Work. • Objectives and Principles of Social Work. • Scope of Social Work. • Functions of Social Work. • Methods of Social Work.	15
	Key word- social work, theory	
	Activity- Group discussion, mock NGO setup, interactive quiz,	
II	History of Social Work • History of Social Work in U.K. • History of Social Work in U.S.A. • History of Social Work in India.	
	Key word- social work, history	
	Activity- Poster making, debate	
III	Philosophy of Social Work • Basic Norms / Values of Social Work. • Philosophy of Social Work • Gandhian Philosophy of Social Work	15
	Key word- Social work, philosophy, norms, values, Gandhian philosophy	
	Activity- Reading book related social reformer, community work in ashram,	
IV	Human Development • Concept and definition of Human Development, • Process of Development, Factors influencing human development. • Life span approach: Prenatal, Childhood, Adolescence, Adulthood, Old Age.	15
	Key word- Human development, prenatal, childhood, adolescence, adulthood, old age	
	Activity – Acquire knowledge about HDI, ABOUT UNDP, movie related adolescent,	


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

V	Field Work in Social Work ● Field Work: Concept and Objectives ● Problems faced by students at field work placement (Online) ● Importance of maintaining records. ● Role of Social Worker in School. ● Role of Social Worker in Hospital.	15
	Key word- field work, social worker, role of worker	
	Activity – Visit of school, hospital, and anganwadi	
	Total Lectures	75 Hours


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. G.R.Madan - Social work 2. Jainendra Kumar Jha - An Introduction to Social Work 3. Samaj Karya - Dr.Surendra Singh & P.D.Mishra 4. Ram Babu Gupta - Child Psychology		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		


डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. उत्तरपुर

(म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
---------------------------------	----------------------	-------------------	------------------

विषय: सोशल वर्क

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-11	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक कार्य का परिचय	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. सामाजिक कार्य मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सामाजिक कार्य में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 4. संबंधित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस कोर्स को पूरा करने के बाद, छात्र निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे: 1. सामाजिक कार्य की बुनियादी अवधारणाओं, मूल्यों और नैतिकता को समझना। 2. भारत और विश्व स्तर पर सामाजिक कार्य के ऐतिहासिक विकास का वर्णन करना। 3. सामाजिक कार्य अभ्यास के प्रमुख क्षेत्रों और विधियों की पहचान करना। 4. व्यवसायिक सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका और जिम्मेदारियों को पहचानना। 5. सामाजिक कार्य को अन्य सामाजिक विज्ञान विषयों से जोड़ना। 6. वास्तविक या नकली सेटिंग्स में बुनियादी सामाजिक कार्य कौशल लागू करना।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	सामाजिक कार्य की अवधारणा सामाजिक कार्य की अवधारणा, परिभाषा और विशेषताएँ।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सामाजिक कार्य के उद्देश्य और सिद्धांत। सामाजिक कार्य का क्षेत्र। सामाजिक कार्य के कार्य। सारबिन्दु – सामाजिक कार्य, सिद्धांत गतिविधि- समूह चर्चा, नकली एनजीओ सेटअप, इंटरव्यू विज्ञ, 10/05/18	
द्वितीय	सामाजिक कार्य का इतिहास यू.के. में सामाजिक कार्य का इतिहास यू.एस.ए. में सामाजिक कार्य का इतिहास भारत में सामाजिक कार्य का इतिहास। सारबिन्दु – सामाजिक कार्य, इतिहास गतिविधि- पोस्टर बनाना, वाद-विवाद	15
तृतीय	सामाजिक कार्य का दर्शन सामाजिक कार्य के मूल मानदंड/मूल्य। सामाजिक कार्य का दर्शन सामाजिक कार्य का गांधीवादी दर्शन सारबिन्दु – सामाजिक कार्य, दर्शन, मानदंड, मूल्य, गांधीवादी दर्शन गतिविधि- सामाजिक सुधारक से संबंधित पुस्तक पढ़ना, आश्रम में सामुदायिक कार्य,	15
चतुर्थ	मानव विकास मानव विकास की अवधारणा और परिभाषा, विकास की प्रक्रिया, मानव विकास को प्रभावित करने वाले कारक, जीवन काल दृष्टिकोण: जन्मपूर्व, बचपन, किशोरावस्था, वयस्कता, वृद्धावस्था आयु। सारबिन्दु – मानव विकास, जन्मपूर्व, बचपन, किशोरावस्था, वयस्कता, वृद्धावस्था गतिविधि- एचडीआई के बारे में ज्ञान प्राप्त करना, यूएनडीपी के बारे में, किशोर से संबंधित फिल्म,	15
पंचम	सामाजिक कार्य में क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्य: अवधारणा और उद्देश्य क्षेत्र कार्य प्लेसमेंट में छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं रिकॉर्ड बनाए रखने का महत्व। स्कूल में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका। अस्पताल में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका। सारबिन्दु – क्षेत्र कार्य, सामाजिक कार्यकर्ता, कार्यकर्ता की भूमिका गतिविधि- स्कूल, अस्पताल और आंगनवाड़ी का भ्रमण एवं प्रवितेदन निर्माण	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टें
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

- | | | |
|------------------------|---|--------------------------------|
| 1. G.R.Madan | - | Social work |
| 2. Jainendra Kumar Jha | - | An Introduction to Social Work |
| 3. Samaj Karya | - | Dr.Surendra Singh & P.D.Mishra |
| 4. Ram Babu Gupta | - | Child Psychology |

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:**अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5) खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15) (आंतरिक विकल्प के साथ) खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40) (आंतरिक विकल्प के साथ)	कुल अंक 100
---	--	-------------

कोई टिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA		Class: M.S.W.	Year: First Year
Session:2025-26			
Subject: Master of Social Work			
1	Course Code	CC-12	
2	Course Title	Origin and Development of Social work in India	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Social Work as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed Bachelor of Social Work (as per National Education Policy - 2020) OR 4. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Understand the historical roots and evolution of social work in India. 2. Identify key social reform movements and pioneers of Indian social work. 3. Explain the influence of religion, culture, and colonialism on social work practices. 4. Analyze the development of professional social work education in India. 5. Evaluate the role of social work in addressing contemporary social issues.	
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4	
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40
Part B-Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=			
Unit	Topics		No. of Lectures (1 Hour Each)

I	Evolution of Social Work Practice in India	15
---	--	----

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	History of Social Work: State Initiatives History of Social Work: Initiatives through Social Movements History of Social work: Initiatives by NGO Key word- Social work, history, social movements, NGOs Activity- Mock NGO Setup – Ask participants to design an NGO focused on a particular social issue and outline its objectives and strategies.	
II	Religion and Social Work: Indian Context Hinduism and Social Work Tribes and Social Work Key word- Religion, Hinduism, Tribes Activity- Storytelling Session – Share stories of Hindu and tribal social reformers who made a lasting impact.	15
III	Jainism and Social Work Christianity and Social Work Key word- Jainism, Christianity Activity- Poster-Making Competition – Design visuals promoting key concepts like Ahimsa (non-violence) in Jainism or Agape (selfless love) in Christianity.	15
IV	Gandhian Concept of Social work Gandhi's perception of an Ideal Society Gandhi's social Work: The Historical Perspective Gandhi's Social work: Methods and Techniques Key word- Gandhian concept, ideal society, historical perspective, Activity – Research & Presentation – Explore how Gandhi's principles of Sarvodaya and Satyagraha influenced social work, presenting findings in groups.	15
V	Profession Social Work in Independent India Involvement of Social Worker in National Development Career Prospects in Professional Social work	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Key word- Independent India, national development, participation, professional social work	
	Activity – Debate: Social Work as a Profession vs. Voluntary Service – Discuss the challenges and benefits of formalizing social work.	
	Total Lectures	75 Hours

10/10/16

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1- Nadkarni ,M.V.: Hinduism: A Gandhian Perspective, and Books India, New delhi:2006 2- Schubring, W.: The Doctrine of the Jainas, New Delhi. 3- Wadia, A.R. (1961): History and Philosophy of Social Work in India, Allied Publishers Pvt. New Delhi. 4- Friedlander, W.A.(1963), Introduction to Social Welfare : Prentice hall of India , New Delhi. 5- Bharathi, K.S. (1995)Thoughts of Gandhi and Vinoba, Concept Publication Co., New Delhi.		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर

(म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा		कक्षा: एम.एस.डब्लू.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-12		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारत में सामाजिक कार्य की उत्पत्ति और विकास		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. सामाजिक कार्य मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सामाजिक कार्य में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 4. संबंधित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. भारत में सामाजिक कार्य की ऐतिहासिक नींव और विकास को समझेंगे। 2. भारतीय सामाजिक कार्य के प्रमुख सामाजिक सुधार आंदोलनों और अग्रदूतों की पहचान कर सकेंगे। 3. सामाजिक कार्य प्रथाओं पर धर्म, संस्कृति और उपनिवेशवाद के प्रभाव की व्याख्या कर सकेंगे। 4. भारत में व्यावसायिक सामाजिक कार्य शिक्षा के विकास का विश्लेषण कर सकेंगे। 5. समकालीन सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने में सामाजिक कार्य की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कूल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	भारत में सामाजिक कार्य अभ्यास का विकास सामाजिक कार्य का इतिहास: राज्य सामाजिक कार्य का इतिहास: सामाजिक आंदोलनों के माध्यम से सामाजिक कार्य का इतिहास: एनजीओ द्वारा सारबिन्दु – सामाजिक कार्य, इतिहास, सामाजिक आंदोलन, एनजीओ गतिविधि- नकली एनजीओ सेटअप – प्रतिभागियों से किसी विशेष सामाजिक मुद्दे पर केंद्रित एक एनजीओ डिजाइन करने और उसके उद्देश्यों और रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करने के लिए कहें।	15

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

द्वितीय	धर्म और सामाजिक कार्य: भारतीय संदर्भ हिंदू धर्म और सामाजिक कार्य जनजाति और सामाजिक कार्य	15
	सारबिन्द – धर्म, हिंदू धर्म, जनजाति	
	गतिविधि- कहानी सुनाने का सत्र – हिंदू और जनजाति समाज सुधारकों की कहानियाँ साझा करें जिन्होंने स्थायी प्रभाव डाला।	
तृतीय	जैन धर्म और सामाजिक कार्य ईसाई धर्म और सामाजिक कार्य	15
	सारबिन्द – जैन धर्म, ईसाई धर्म	
	गतिविधि- पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता – जैन धर्म में अहिंसा (अहिंसा) या ईसाई धर्म में अगापे (निस्वार्थ प्रेम) जैसी प्रमुख अवधारणाओं को बढ़ावा देने वाले दृश्य डिजाइन करें।	
चतुर्थ	सामाजिक कार्य की गांधीवादी अवधारणा आदर्श समाज के बारे में गांधी की धारणा गांधी का सामाजिक कार्य: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य गांधी का सामाजिक कार्य: विधियाँ और तकनीक	15
	सारबिन्द – गांधीवादी अवधारणा, आदर्श समाज, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य,	
	गतिविधि- शोध और प्रस्तुति – पता लगाएँ कि गांधी के सर्वोदय और सत्याग्रह के सिद्धांतों ने सामाजिक कार्य को कैसे प्रभावित किया, समूहों में निष्कर्ष प्रस्तुत करें।	
पंचम	स्वतंत्र भारत में सामाजिक कार्य का व्यवसायिक राष्ट्रीय विकास में सामाजिक कार्यकर्ता की भागीदारी व्यवसायिक सामाजिक कार्य में कैरियर की संभावनाएं	15
	सारबिन्द – स्वतंत्र भारत, राष्ट्रीय विकास, भागीदारी, पेशेवर सामाजिक कार्य	
	गतिविधि- वाद-विवाद: एक पेशे के रूप में सामाजिक कार्य बनाम स्वैच्छिक सेवा – सामाजिक कार्य को औपचारिक बनाने की चुनौतियों और लाभों पर चर्चा करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

- 1- Nadkarni, M.V.: Hinduism: A Gandhian Perspective, and Books India, New delhi:2006
- 2- Schubring, W.: The Doctrine of the Jains, New Delhi.
- 3- Wadia, A.R. (1961): History and Philosophy of Social Work in India, Allied Publishers Pvt. New Delhi.
- 4- Friedlander, W.A.(1963), Introduction to Social Welfare : Prentice hall of India , New Delhi.
- 5- Bharathi, K.S. (1995) Thoughts of Gandhi and Vinoba, Concept Publication Co., New Delhi.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

डॉ. ममता बाजपेयी

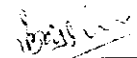
अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. उत्तरपुर (म.प्र.)

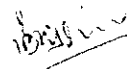
आकलन : 100 विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5) खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15) (आंतरिक विकल्प के साथ) खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40) (आंतरिक विकल्प के साथ)	कुल अंक 100
--	---	--------------------

कोई टिप्पणी/सुझाव:

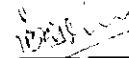

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA		Class: M.S.W.	Year: First Year
Session:2025-26			
Subject: Master of Social Work			
1	Course Code	CC-13	
2	Course Title	Indian Society	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course	
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Social Work as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed Bachelor of Social Work (as per National Education Policy - 2020) OR 4. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	- Understand the diversity and structure of Indian society. - Explain the role of key social institutions like family and religion. - Analyze factors driving social change in India. - Recognize constitutional values and their impact on society. - Identify and discuss major contemporary social issues.	
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4	
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40
Part B-Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=			
Unit	Topics		No. of Lectures (1 Hour Each)

I	Concepts of Indian Knowledge Tradition 1. Fundamental social concepts embedded in the Indian Knowledge Tradition: 1.1. Social harmony 1.2. Swadharma	15
---	---	----


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

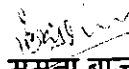
	1.3. VasudhaivaKutumbakam 2. Sociological concept of society Key word- Social harmony, Swadharma, VasudhaivaKutumbakam Activity- Essay writing on the above concepts based on the geanthasa available in the Indian Knowledge Tradition Cell.	
II	Indian Society • Meaning, Concept & Characteristics of Society, Community, Association, Institution, Social Group. • Concept & Characteristics of Social Group, Social Structure, Social Stratification. • Social Process, Cooperation, Competition, Conflict, Accommodation & Assimilation. Key word- society, community, association, institution, social group, cooperation, competition, conflict, adjustment Activity- student should make a report on type of social process they see during their daily interaction.	15
III	Sociology & Social Work • Relationship between Sociology and Social Work • Social Problems: Concept, Types and Aspects • Social Work Practices in Solving Social Issue Key word- Social problems, social issues, social work Activity- student should go to their locality and analyse the social issues there.	
IV	Sociological Concepts • Social Control: Meaning, Concept and Types • Socialization Process: Concept and Types • Social Change: Concept, Factors of Social Change • Social Development: Concept, Evolution, & Process Key word- Social Control, Socialization Process, Social Change, Social Development	15


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity –read childhood experiences of any one famous personalities.	
V	Current Sociological Perspectives • Urbanization • Leadership: Concept, Kinds, Characteristics & Changes • Industrialization & Globalization and its Impact on Social Life Key word- Urbanization, Leadership, Industrialization, Globalization	15
	Activity –Students will assign themselves in groups and make project on topic of globalization .	
	Total Lectures	75 Hours


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. A.R.Desai -Rural Sociology 2. B.R.Chauhan -Rural Sociology 3. M.N.Sriniwas -Social Change 4. Tomar and Goyal -Urban Sociology 5. Yogendra Atal - Rural Sociology		
Suggested equivalent courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर

(म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा		कक्षा: एम.एस.डब्ल्यू.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-13		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय समाज		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. सामाजिक कार्य मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सामाजिक कार्य में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 4. संबंधित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	• भारतीय समाज की विविधता और संरचना को समझें। • परिवार और धर्म जैसी प्रमुख सामाजिक संस्थाओं की भूमिका की व्याख्या करने में सहायक। • भारत में सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने वाले कारकों का विश्लेषण को समझेंगे। • संवैधानिक मूल्यों और समाज पर उनके प्रभाव को पहचानें। • प्रमुख समकालीन सामाजिक मुद्दों की पहचान करें और उन पर चर्चा करनी चाहिए।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परम्परा की संकल्पनाएं 1. भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित मूल सामाजिक अवधारणाएं : 1.1. सामाजिक समरसता 1.2. स्वधर्म 1.3. वसुधैव कुटुम्बकम् 2. समाज की समाजशास्त्रीय संकल्पना सारबिन्द - सामाजिक समरसता, स्वधर्म, वसुधैव कुटुम्बकम्	15

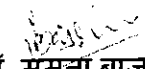
डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि- भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ में उपलब्ध ग्रन्थों के आधार पर उपरोक्त संकल्पनाओं पर निबंध लेखन।	
द्वितीय	भारतीय समाज समाज, समुदाय, संघ, संस्था, सामाजिक समूह का अर्थ, अवधारणा और विशेषताएँ। सामाजिक समूह, सामाजिक संरचना, सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा और विशेषताएँ। सामाजिक प्रक्रिया, सहयोग, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, समायोजन और आत्मसात। सारबिन्दु – समाज, समुदाय, संघ, संस्था, सामाजिक समूह, सहयोग, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, समायोजन गतिविधि- छात्रों को अपने दैनिक संपर्क के दौरान देखी जाने वाली सामाजिक प्रक्रिया के प्रकार पर एक रिपोर्ट बनानी चाहिए।	15
तृतीय	समाजशास्त्र और सामाजिक कार्य समाजशास्त्र और सामाजिक कार्य के बीच संबंध सामाजिक समस्याएँ: अवधारणा, प्रकार और पहलू सामाजिक मुद्दे को सुलझाने में सामाजिक कार्य अभ्यास सारबिन्दु – सामाजिक समस्याएँ, सामाजिक मुद्दे, सामाजिक कार्य गतिविधि- छात्रों को अपने इलाके में जाना चाहिए और वहाँ के सामाजिक मुद्दों का विश्लेषण करना चाहिए।	15
चतुर्थ	समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ सामाजिक नियंत्रण: अर्थ, अवधारणा और प्रकार समाजीकरण प्रक्रिया: अवधारणा और प्रकार सामाजिक परिवर्तन: अवधारणा, सामाजिक परिवर्तन के कारक सामाजिक विकास: अवधारणा, विकास, और प्रक्रिया सारबिन्दु – सामाजिक नियंत्रण, समाजीकरण प्रक्रिया, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक विकास गतिविधि- किसी एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व के बचपन के अनुभवों को पढ़ना चाहिए।	15
पंचम	वर्तमान समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण नगरीकरण नेतृत्व: अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ और परिवर्तन औद्योगीकरण और वैश्वीकरण और सामाजिक जीवन पर इसका प्रभाव सारबिन्दु – नगरीकरण, नेतृत्व, औद्योगीकरण, वैश्वीकरण गतिविधि- छात्र खुद को समूहों में बाँटेंगे और वैश्वीकरण के विषय पर प्रोजेक्ट बनाएंगे।	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		


डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. A.R.Desai -Rural Sociology
2. B.R.Chauhan -Rural Sociology
3. M.N.Srinivas -Social Change
4. Tomar and Goyal -Urban Sociology
5. Yogendra Atal - Rural Sociology

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

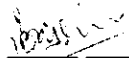
अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5) खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15) (आंतरिक विकल्प के साथ) खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40) (आंतरिक विकल्प के साथ)	कूल अंक 100
---	--	-------------

कोई टिप्पणी/सुझाव:


डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

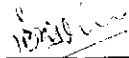
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA		Class: M.S.W.	Year: First Year
Session:2025-26			
Subject: Master of Social Work			
1	Course Code	CC-14	
2	Course Title	Social Problems and Legal Literacy	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course	
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Social Work as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed Bachelor of Social Work (as per National Education Policy - 2020) OR 4. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Identify major social problems affecting Indian society. 2. Understand the causes and consequences of issues like poverty, unemployment, domestic violence, and substance abuse. 3. Explain the basic structure of the Indian legal system and fundamental rights. 4. Interpret key laws related to social justice, gender equality, and child protection. 5. Apply legal knowledge to promote awareness and access to justice in communities.	
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4	
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40
Part B-Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=			
Unit	Topics		No. of Lectures (1 Hour Each)

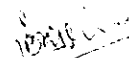
I	Social Problems • Concept and definition of Social Problem.	15
---	---	----

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. उत्तरपुर (म.प्र.)

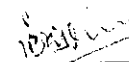
	• Characteristics and causes of social problem • Weaker sections of society(meaning and concept) • Indian Constitution: Preamble, Fundamental Rights, Directive Principles,	
	Key word- Social Problems, Weaker Sections, Indian Constitution, Preamble, Fundamental Rights, Directive Principles	
	Activity- identify weaker sections for your community and try to understand their problems.	
II	Social problems related to child and youth • Child marriage Concept, Causes, Impact and efforts to solve problem. • Juvenile Delinquency Concept, Causes, Impact and efforts to solve problem. • Child Labour Concept, Causes, Impact and efforts to solve problem. • Drug abuse • Youth Unrest	15
	Key word- Children, youth, juvenile delinquency, juvenile crime, child marriage, youth unrest	
	Activity- Study your society and prepare a report on the factors that will help in finding practical solutions to the problems related to children and youth.	
III	• Social problems related to women • Crime and women (nature and types) • Domestic violence • Gender inequality	15
	Key word- domestic violence, gender inequality	
	Activity- students should make a report on different types of gender inequalities that they have seen in their daily life.	
IV	• Problems related to people and environment • Population. • Environmental problems	15


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Corruption • Illiteracy	
	Key word- Population, environment, corruption, illiteracy	
	Activity –Organize a day camp to make your institute campus clean and green.	
V	Human rights and Legal Literacy • Human rights (concept and basic human rights) • Human rights violation: causes and remedies • Working of NHRC • Criminal Procedure Code(Cr.P.C.)and Civil Procedure Code (meaning) • Public Interest Litigation, Right To Information	15
	Key word- Human Rights, Legal Literacy, Public Interest Litigation, Right to Information, NHRC, Criminal Procedure	
	Activity – Teaching students how to use RTI and preparing a report on when it should be used.	
	Total Lectures	75 Hours


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources																				
Suggested Readings: <table> <tr> <td>1</td><td>Dilip Jakhad</td><td>- Manavadhikaar</td></tr> <tr> <td>2</td><td>Ram Ahuja</td><td>- Samajik Samasyayen</td></tr> <tr> <td>3</td><td>Dr.Pushpalata Taneja</td><td>- Manavadhikaar aur Baal shoshan</td></tr> <tr> <td>4</td><td>Dr. Ganesh Pandey</td><td>- Bhartiya Samajik Samasyayen</td></tr> <tr> <td>5</td><td>Ram Aahuja</td><td>- Social Problems in India</td></tr> <tr> <td>6</td><td>Man Chand Khandela</td><td>- Human Rights and Social Relations</td></tr> </table>			1	Dilip Jakhad	- Manavadhikaar	2	Ram Ahuja	- Samajik Samasyayen	3	Dr.Pushpalata Taneja	- Manavadhikaar aur Baal shoshan	4	Dr. Ganesh Pandey	- Bhartiya Samajik Samasyayen	5	Ram Aahuja	- Social Problems in India	6	Man Chand Khandela	- Human Rights and Social Relations
1	Dilip Jakhad	- Manavadhikaar																		
2	Ram Ahuja	- Samajik Samasyayen																		
3	Dr.Pushpalata Taneja	- Manavadhikaar aur Baal shoshan																		
4	Dr. Ganesh Pandey	- Bhartiya Samajik Samasyayen																		
5	Ram Aahuja	- Social Problems in India																		
6	Man Chand Khandela	- Human Rights and Social Relations																		
Suggested equivalent courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.																				
Part D-Assessment and Evaluation																				
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60																				
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100																		
Any remarks/suggestions:																				


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा		कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-14		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक समस्याएं और कानूनी साक्षरता		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. सामाजिक कार्य मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सामाजिक कार्य में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 4. संबंधित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. भारतीय समाज को प्रभावित करने वाली प्रमुख सामाजिक समस्याओं की पहचान करने में सहायक। 2. गरीबी, बेरोजगारी, घरेलू हिंसा और मादक द्रव्यों के सेवन जैसे मुद्दों के कारणों और परिणामों को समझ सकेंगे। 3. भारतीय कानूनी प्रणाली और मौलिक अधिकारों की मूल संरचना की व्याख्या कर सकेंगे। 4. सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता और बाल संरक्षण से संबंधित प्रमुख कानूनों की व्याख्या कर सकेंगे। 5. समुदायों में जागरूकता और न्याय तक पहुँच को बढ़ावा देने के लिए कानूनी ज्ञान का उपयोग कर सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कूल अंक	अधिकतम अंक: 40+60		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	सामाजिक समस्याएँ सामाजिक समस्या की अवधारणा और परिभाषा। सामाजिक समस्या के लक्षण और कारण समाज के कमजोर वर्ग (अर्थ और अवधारणा)	15

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	भारतीय संविधान: प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत, सारबिन्दु – सामाजिक समस्याएँ, कमजोर वर्ग, भारतीय संविधान, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत गतिविधि- अपने समुदाय के कमजोर वर्गों की पहचान करें और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करना चाहिए।	
द्वितीय	बाल और युवा से संबंधित सामाजिक समस्याएँ बाल विवाह (अवधारणा, कारण, प्रभाव और समस्या को हल करने के प्रयास।) किशोर अपराध (अवधारणा, कारण, प्रभाव और समस्या को हल करने के प्रयास।) बाल श्रम (अवधारणा, कारण, प्रभाव और समस्या को हल करने के प्रयास।) नशीली दवाओं का सेवन युवा अशांति सारबिन्दु – बाल, युवा, किशोर अपराध, किशोर अपराध, बाल विवाह, युवा अशांति गतिविधि- अपने समाज का अध्ययन करें और बच्चों तथा युवाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए व्यावहारिक समाधान में सहायक कारकों पर प्रतिवेदन तैयार करेंगे।	15
तृतीय	महिलाओं से संबंधित सामाजिक समस्याएँ अपराध और महिलाएँ (प्रकृति और प्रकार) घरेलू हिंसा लैंगिक असमानता सारबिन्दु – घरेलू हिंसा, लैंगिक असमानता गतिविधि- छात्रों को अपने दैनिक जीवन में देखी गई विभिन्न प्रकार की लैंगिक असमानताओं पर एक रिपोर्ट बनानी बनायें।	15
चतुर्थ	व्यक्तियों और पर्यावरण से संबंधित समस्याएँ जनसंख्या। पर्यावरण संबंधी समस्याएँ भ्रष्टाचार अशिक्षा सारबिन्दु – जनसंख्या, पर्यावरण, भ्रष्टाचार, अशिक्षा गतिविधि- अपने संस्थान परिसर को साफ और हरा-भरा बनाने के लिए एक दिवसीय कैंप लगायें।	15
पंचम	मानवाधिकार और कानूनी साक्षरता मानवाधिकार अवधारणा और बुनियादी मानवाधिकार मानवाधिकार उल्लंघन: कारण और उपचार एनएचआरसी का कार्य दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और सिविल प्रक्रिया संहिता (अर्थ) जनहित याचिका, सूचना का अधिकार	15

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

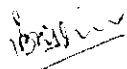
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – मानवाधिकार , कानूनी साक्षरता, जनहित याचिका, सूचना का अधिकार, एनएचआरसी, दंड प्रक्रिया गतिविधि- छात्रों को आरटीआई का उपयोग करना सिखाना और उसका उपयोग कब किया जाना चाहिए इसकी रिपोर्ट तैयार करना ।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

महाराजा छत्रसाल बून्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G. Diploma		Class: M.S.W.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Master of Social Work				
1	Course Code	CC-21		
2	Course Title	Psychological Perspectives in Social Work		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course		
4	Pre-requisite (if any)	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Social Work)		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	After completing this course, students will be able to: 1. Understand basic psychological concepts relevant to social work. 2. Explain human development across the life span. 3. Analyze the influence of personality, motivation, and learning on behavior. 4. Apply psychological theories to assess individual and group behavior. 5. Understand the psychological needs of individuals in crisis situations. 6.. Will be able to enhance psychological knowledge through social work practice.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	
Part B-Content of the Course				
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=				
Unit	Topics			No. of Lectures (1 Hour Each)

I	Social Psychology – An Introduction: • Concept, definition of social psychology, • Scope of psychology, concept of human behavior	15
---	---	----


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Social work and Social Psychology, Study methods of social psychology.	
	Key word- Social Psychology, Human Behaviour,	
	Activity- Students create a visual concept map linking terms like social psychology, human behavior, social work, and study methods.	
II	Factors influencing human behavior: • Culture and Personality: Meaning, Type and heredity & environment • Meaning of personality, relationship in culture and personality, • Socialization: Agencies of socialization, theories of socialization, • Social Learning: Process and Factors of social learning.	15
	Key word- Culture and Personality, Socialization, Social Learning	
	Activity- Organize group discussions on the role of heredity versus environment in personality development.	
III	Social Behavior: • Public opinion: Meaning, characteristics, important steps involved in formation of public opinion, agencies and measurement of public opinion, • Crowd: Characteristics, psychology of crowd behaviors, and important theories of crowd behavior. • Rumor: Characteristics, causes and conditions of rumor, and checks on spread of rumor.	15
	Key word- social behavior, public opinion, crowd, rumor	
	Activity- Report writing on crowd activities and characteristics.	
IV	Social Control and Social Conflict: • Social control: Concept and forms of social control, law, religion and customs, • Social conflict: Nature, type, problem and resolution of social conflicts,	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Social Deviance: Causes, remedies and theories related to solve problems. (Online)	
	Key word- Social control, social conflict, law, religion and customs, social deviation	
	Activity – Activity: Case Study Analysis - Provide a short case study (e.g., community resolving a conflict). Students identify social control methods (laws, norms) and propose solutions.	
V	Social Psychology and its application: • Uses of social psychology in sphere of mental health, • Social psychology in crisis • Application of social psychology: National character and national integration.	15
	Key word- mental health, crisis, national character, national integration	
	Activity – News Article Analysis - Students find a news article in which the principles of social psychology have been applied.	
	Total Lectures	75 Hours

Signature

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Akolkar - Social Psychology 2. Young K. - Social Psychology 3. Ginsbergh M. - Social Psychology 4. Allport FH - Social Psychology 5. Mathur S.S. - Social Psychology 6. Mukerjee R.N. - Social Psychology		
Suggested equivalent courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा		कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-21		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक कार्य में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाज कार्य) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र निम्न कार्य करने में सक्षम होंगे: 1. सामाजिक कार्य से संबंधित बुनियादी मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं को समझ सकेंगे। 2. जीवन काल में मानव विकास की व्याख्या को समझ सकेंगे। 3. व्यवहार पर व्यक्तित्व, प्रेरणा और सीखने के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे। 4. व्यक्तिगत और समूह व्यवहार का आकलन करने के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को जान पायेंगे। 5. संकट की स्थितियों में व्यक्तियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझ सकेंगे। 6. सामाजिक कार्य अभ्यास से मनोवैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ा पायेंगे।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40	

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	सामाजिक मनोविज्ञान - एक परिचय: सामाजिक मनोविज्ञान की अवधारणा, परिभाषा, मनोविज्ञान का क्षेत्र , मानव व्यवहार की अवधारणा सामाजिक कार्य और सामाजिक मनोविज्ञान, सामाजिक मनोविज्ञान के अध्ययन के पद्धति । सारबिन्दु – सामाजिक मनोविज्ञान, मानव व्यवहार, गतिविधि- छात्र सामाजिक मनोविज्ञान, मानव व्यवहार, सामाजिक कार्य और अध्ययन विधियों जैसे शब्दों को जोड़ते हुए एक दृश्य अवधारणा मानचित्र बनायें।	15

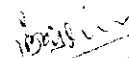
डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

द्वितीय	मानव व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक: संस्कृति और व्यक्तित्व: अर्थ, प्रकार, आनुवंशिकता और पर्यावरण व्यक्तित्व का अर्थ, संस्कृति और व्यक्तित्व में संबंध, समाजीकरण: समाजीकरण की संस्थायें, समाजीकरण के सिद्धांत, सामाजिक शिक्षा: सामाजिक शिक्षा की प्रक्रिया और कारक।	15
	सारबिन्दु – संस्कृति और व्यक्तित्व, समाजीकरण, सामाजिक शिक्षा गतिविधि- व्यक्तित्व निर्माण में आनुवंशिकता बनाम पर्यावरण की भूमिका पर समूह चर्चा करना आयोजित करना।	
तृतीय	सामाजिक व्यवहार: सार्वजनिक विचार : अर्थ, विशेषताएँ, सार्वजनिक राय के निर्माण में शामिल महत्वपूर्ण कदम, संस्थायें और सार्वजनिक विचार का मापन, भीड़: विशेषताएँ, भीड़ के व्यवहार का मनोविज्ञान, और भीड़ के व्यवहार के महत्वपूर्ण सिद्धांत। अफवाह: अफवाह की विशेषताएँ, कारण और स्थितियाँ, और अफवाह के प्रसार पर रोक।	15
	सारबिन्दु – सामाजिक व्यवहार, सार्वजनिक राय, भीड़, अफवाह गतिविधि- भीड़ की गतिविधियाँ एवं विशेषताओं पर प्रतिवेदन लेखन।	
चतुर्थ	सामाजिक नियंत्रण और सामाजिक संघर्ष: सामाजिक नियंत्रण: सामाजिक नियंत्रण की अवधारणा और रूप, कानून, धर्म और रीति-रिवाज, सामाजिक संघर्ष: सामाजिक संघर्षों की प्रकृति, प्रकार, समस्या और समाधान, सामाजिक विचलन: समस्याओं को हल करने के लिए कारण, उपाय और सिद्धांत।	15
	सारबिन्दु – सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक संघर्ष, कानून, धर्म और रीति-रिवाज, सामाजिक विचलन	
	गतिविधि- केस स्टडी विश्लेषण - किसी समुदाय अथवा समूह के संघर्ष पर समूह चर्चा।	
पंचम	सामाजिक मनोविज्ञान और इसका अनुप्रयोग: मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक मनोविज्ञान का उपयोग, संकट में सामाजिक मनोविज्ञान सामाजिक मनोविज्ञान का अनुप्रयोग: राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रीय एकीकरण।	15
	सारबिन्दु – मानसिक स्वास्थ्य, संकट, राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय एकीकरण	
	गतिविधि- समाचार लेख विश्लेषण - छात्र एक समाचार लेख खोजें जिसमें सामाजिक मनोविज्ञान के सिद्धांतों को लागू किया गया है।	
	कूल व्याख्यान	75 घण्टें
भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन		


डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1.	Akolkar	-	Social Psychology
2.	Young K.	-	Social Psychology
3.	Ginsbergh M.	-	Social Psychology
4.	Allport FH	-	Social Psychology
5.	Mathur S.S.	-	Social Psychology
6.	Mukerjee R.N.	-	Social Psychology

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

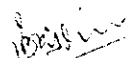
अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-	5 (5x1=5)	कुल अंक 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	खंड (बी): लघु प्रश्न -	5 (5x3=15)	
समय- 03.00 घंटे	(आंतरिक विकल्प के साथ)		
	खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -	5 (5x8=40)	
	(आंतरिक विकल्प के साथ)		

कोई टिप्पणी/सुझाव:

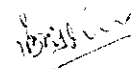

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

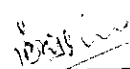
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G. Diploma		Class: M.S.W.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Master of Social Work				
1	Course Code	CC-22		
2	Course Title	Social Group Work & Community Management or Community Development		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course		
4	Pre- requisite (if any)	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Social Work)		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Understand the theoretical foundations of social group work and its relevance in social work practice. 2. Demonstrate knowledge of group dynamics, including stages of group development, roles, norms, and leadership. 3. Apply principles and techniques of group facilitation in different settings and with diverse populations. 4. Design and implement group interventions to address social issues such as addiction, family conflict, mental health, or community integration. 5. Critically assess the impact of social group work on individuals and communities.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	
Part B-Content of the Course				
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=				
Unit	Topics			No. of Lectures (1 Hour Each)

I	Introduction to Group Work Social Group: Characteristics and Significance History of Group work Theories and models in Social Group Work Stage of Group Development, Process of Group Formation	15
---	--	----


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

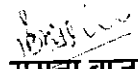
	Key word- Group work, group building, social groups	
	Activity- group task, poster making	
II	Skills Development in Social Group Work Leadership and Power, Skills and Techniques of Group Work Relevance of Life Skills Education in Social Group Work Programme Planning in Social Work	15
	Key word- Skill development, leadership skills, skills, technical skills education	
	Activity- public speaking, group leader work	
III	Introduction to Community Organization Community Organization: Concept Value Orientation History of Community Organization	15
	Key word- Community organisation, planning, value orientation	
	Activity- community work , poster making	
IV	Community Organization as Method of Social Work Practice Models and Approaches of Community Organization	15
	Key word- Community organisation, practice models, approaches	
	Activity –NGO visit	
V	Social Action for Community Development Social Action: concept and Application Integrated Approach to Social work and Social Action Models, Strategies, and Skills of Social Action	15
	Key word- Community development, social action, integrated approaches, models, strategies and skills	
	Activity –skill development work, special lecture	


डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Total Lectures	75 Hours
--	-----------------------	-----------------


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Milson, Fred 1973 An Introduction to Group Work Skills, London, Routledge and Kegan Paul. 2. Northen, H. 1969 Social Work with Groups. New York: Columbia University Press. 3. Trecker, Harleigh B. 1970 Social Group Work: Principles and Practice, New 4. Work: Association Press 5. Marulasiddaiah, H. M. 1987 Community: Area and Regional Development in India, Bangalore, Bangalore University 6. Lal, A. K. 1977 Politics of Poverty: A Study of Bonded Labour. New Delhi: Chethana Publications. 7. Gangrade, K. D. 1971 Community Organisation in India, Bombay, Popular Prakashan.		
Suggested equivalent courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks: 100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B): Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C): Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा		कक्षा: एम.एस.डब्लू.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-22		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक समूह कार्य एवं सामुदायिक प्रबंधन या सामुदायिक विकास		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाज कार्य) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. सामाजिक समूह कार्य के सैद्धांतिक आधारों और सामाजिक कार्य अभ्यास में इसकी प्रासंगिकता को समझेंगे। 2. समूह विकास, भूमिकाओं, मानदंडों और नेतृत्व के चरणों सहित समूह गतिशीलता के ज्ञान का प्रदर्शन कर सकेंगे। 3. विभिन्न सेटिंग्स और विविध आबादी के साथ समूह सुविधा के सिद्धांतों और तकनीकों को लागू कर सकेंगे। 4. व्यसन, पारिवारिक संघर्ष, मानसिक स्वास्थ्य या सामुदायिक एकीकरण जैसे सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए समूह हस्तक्षेपों को डिजाइन और कार्यान्वित कर सकेंगे। 5. व्यक्तियों और समुदायों पर सामाजिक समूह कार्य के प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कूल अंक	अधिकतम अंक: 40+60		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	समूह कार्य का परिचय	15
	सामाजिक समूह: विशेषताएँ और महत्व	
	समूह कार्य का इतिहास सामाजिक समूह कार्य में सिद्धांत और मॉडल	
	समूह विकास का चरण, समूह निर्माण की प्रक्रिया	
	सारबिन्दु – समूह कार्य, समूह निर्माण, सामाजिक समूह	
	गतिविधि- समूह कार्य, पोस्टर बनाना	

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

द्वितीय	सामाजिक समूह कार्य में कौशल विकास समूह कार्य का नेतृत्व और शक्ति, कौशल और तकनीक सामाजिक समूह कार्य में जीवन कौशल शिक्षा की प्रासंगिकता	15
	सारबिन्दु – कौशल विकास, नेतृत्व शक्ति, कौशल, तकनीक कौशल शिक्षा	
	गतिविधि- सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता, समूह नेता कार्य	
तृतीय	सामाजिक कार्य में कार्यक्रम नियोजन सामुदायिक संगठन का परिचय सामुदायिक संगठन: अवधारणा मूल्य अभिविन्यास	15
	सारबिन्दु – सामुदायिक संगठन, नियोजन, मूल्य अभिविन्यास	
	गतिविधि- सामुदायिक कार्य, पोस्टर बनाना	
चतुर्थ	सामुदायिक संगठन का इतिहास सामाजिक कार्य की पद्धति के रूप में सामुदायिक संगठन सामुदायिक संगठन के अभ्यास मॉडल और दृष्टिकोण	15
	सारबिन्दु – सामुदायिक संगठन, अभ्यास मॉडल, दृष्टिकोण	
	गतिविधि- क्षेत्रीय एनजीओ का भ्रमण एवं रिपोर्ट तैयार करना।	
पंचम	सामुदायिक विकास के लिए सामाजिक कार्य सामाजिक कार्य : अवधारणा और अनुप्रयोग सामाजिक कार्य और सामाजिक क्रिया के लिए एकीकृत दृष्टिकोण सामाजिक क्रिया के मॉडल, रणनीतियाँ और कौशल	15
	सारबिन्दु – सामुदायिक विकास, सामाजिक कार्य, एकीकृत दृष्टिकोण, मॉडल, रणनीतियाँ और कौशल	
	गतिविधि- कौशल विकास कार्य, विद्यार्थियों द्वारा विशेष व्याख्यान माला का आयोजन करना।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनूशंसित अध्ययन संसाधन

अनूशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Milson, Fred 1973 An Introduction to Group Work Skills, London, Routledge and Kegan Paul.
2. Northen, H. 1969 Social Work with Groups. New York: Columbia University Press.
3. Trecker, Harleigh B. 1970 Social Group Work: Principles and Practice, New York: Association Press
4. Marulasiddaiah, H. M. 1987 Community: Area and Regional Development in India, Bangalore, Bangalore University
5. Lal, A. K. 1977 Politics of Poverty: A Study of Bonded Labour. New Delhi: Chethana Publications.
6. Gangrade, K. D. 1971 Community Organisation in India, Bombay, Popular Prakashan.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनूशंसित मूल्यांकन विधियाँ:

अनूशंसित मूल्यांकन विधियाँ:

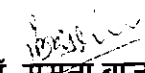
डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60		
आकलन : 100	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)	कुल अंक 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)	
समय- 03.00 घंटे	(आंतरिक विकल्प के साथ)	
	खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)	
	(आंतरिक विकल्प के साथ)	
कोई टिप्पणी/सुझाव:		


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. Diploma		Class: M.S.W.	Year: Second Year
Session:2025-26			
Subject: Master of Social Work			
1	Course Code	CC-23	
2	Course Title	Labour Welfare and Industrial Social Work	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course	
4	Pre-requisite (if any)	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Social Work)	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Understand the concept, scope, and importance of labour welfare. 2. Identify the roles and responsibilities of social workers in industrial settings. 3. Analyze labour laws and welfare policies related to workers' rights and benefits. 4. Evaluate workplace issues such as health, safety, grievances, and employee relations. 5. Apply social work methods to promote worker well-being and organizational harmony.	
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4	
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40
Part B-Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=			
Unit	Topics		No. of Lectures (1 Hour Each)

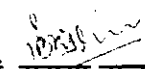
I	Labour Welfare Concept:- • Meaning, Need, Objectives, Scope, • Historical perspective of labour welfare • Agencies, Aspects, New Dimension.	15
	Key word- labour welfare, agencies, aspects,	
	Activity- Create a timeline highlighting key milestones in India's labour welfare history, from the Factories Act 1881 to the Code on Social Security 2020.	

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

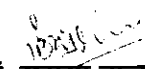
II	Wage and salary administration:- • Objectives and Principles, Structure, • Factors affecting, Methods of wage payment, • Wage policy in India, Wage incentives, Advantage and Limitation, Intensive Plans, • Concept of profit sharing- Advantage and Disadvantage, Workers participation in management, conceptual overview.	
	Key word- wages and salaries, wage payments,	
	Activity- Analyze a company's wage structure using factors like demand-supply dynamics, cost of living, and legislative frameworks (e.g., Minimum Wages Act). Propose improvements.	
III	Industrial Relations and Industrial Disputes:- • Concept, Objectives and approaches, • Industrial unrest in India, Causes of Industrial disputes, preventive and settlement machinery. • State and Industrial relations.	15
	Key word- Industrial relations, Industrial disputes, concept, objectives and approaches, preventive and conciliatory	
	Activity- Prepare a report on how state governments enforce labour laws (e.g., Factories Act, 1948) to maintain industrial harmony.	
IV	Role of trade unions in labour welfare:- • Meaning, Objectives and functions of Trade unions, • Structure and Types of Unions, trade union movements in India. • Problems of Trade Unions, limitations and advantages of trade union. • Collective Bargaining – Meaning and objectives, Importance and requirements, Collective bargaining in India.	15
	Key word- Labour Welfare, • Trade Unions, Trade Unions in India, • Limitations of Trade Unions, Collective Bargaining	
	Activity – Debate the statement: “Trade unions hinder productivity.” Use case studies from the Mumbai textile strikes or recent IT sector unionization efforts.	


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. उत्तरपुर (म.प्र.)

V	Social Welfare and Social Security:- • Scope of Social Welfare, Principles of Social Welfare, Task of Social Welfare, • Concept of social security in India, The Employees Insurance Act, The Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, The Maternity Benefit Act, The Payment of Gratuity Act.	15
	Key word- Scope of Social Welfare, Employees Provident Fund, Maternity Benefit Act, Gratuity Payment Act	
	Activity – Prepare a report on comparison of ESI Act 1948, EPF Act 1952 and Maternity Benefit Act 1961.	
	Total Lectures	75 Hours


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Dr. C.B. Gupta – Human Resource Management 2. डा. चतुर्भुज मामोरिया - सेविदग प्रबंघ एवं औधोगिक सम्बंघ 3. Dr. D.R. Sachdeva – Social Welfare administration in India 4. Dr. Sanjay Bhattacharya – Social Work: An Integrated Approach		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा		कक्षा: एम.एस.डब्लू.	वर्ष : द्वितीय वर्ष
		सत्र : 2025-2026	
विषय: सोशल वर्क			
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-23	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	श्रम कल्याण और औद्योगिक सामाजिक कार्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाज कार्य) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. श्रम कल्याण की अवधारणा, क्षेत्र और महत्व को समझ सकेंगे। 2. औद्योगिक परिवेश में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका और जिम्मेदारियों की पहचान कर सकेंगे। 3. श्रमिकों के अधिकारों और लाभों से संबंधित श्रम कानूनों और कल्याण नीतियों का विश्लेषण कर सकेंगे। 4. कार्यस्थल के मुद्दों जैसे स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिकायतों और कर्मचारी संबंधों का मूल्यांकन कर सकेंगे। 5. श्रमिकों की भलाई और संगठनात्मक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक कार्य विधियों को लागू कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)	
प्रथम	श्रम कल्याण अवधारणा:- • अर्थ, आवश्यकता, उद्देश्य, क्षेत्र , • श्रम कल्याण का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य • संस्था , पहलू, नए आयाम।	15	
	सारबिन्दु – श्रम कल्याण, संस्था ,पहलू		
	गतिविधि- कारखाना अधिनियम 1881 से लेकर सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तक, भारत के श्रम कल्याण इतिहास में प्रमुख मील के पत्थरों को उजागर करने वाली एक समयरेखा बनाएं।		
द्वितीय	मजदूरी और वेतन प्रशासन:-	15	


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• उद्देश्य और सिद्धांत, संरचना, • प्रभावित करने वाले कारक, मजदूरी भुगतान के तरीके, • भारत में मजदूरी नीति, मजदूरी प्रोत्साहन, लाभ और सीमा, गहन योजनाएं, • लाभ साझा करने की अवधारणा- लाभ और हानि, प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी, वैचारिक अवलोकन।	
	सारबिन्दु – मजदूरी और वेतन, मजदूरी भुगतान, गतिविधि - मांग-आपूर्ति गतिशीलता, जीवन-यापन की लागत और विधायी ढाँचे (जैसे, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम) जैसे कारकों का उपयोग करके किसी कंपनी की वेतन संरचना का विश्लेषण करें। सुधार प्रस्तावित कर सकेंगे।	
तृतीय	औद्योगिक संबंध और औद्योगिक विवाद:- • अवधारणा, उद्देश्य और दृष्टिकोण, • भारत में औद्योगिक अशांति, औद्योगिक विवादों के कारण, निवारक और निपटान तंत्र। • राज्य और औद्योगिक संबंध।	15
	सारबिन्दु – औद्योगिक संबंध, औद्योगिक विवाद, अवधारणा, उद्देश्य और दृष्टिकोण, निवारक और निपटान गतिविधि - औद्योगिक सद्भाव बनाए रखने के लिए राज्य सरकारें श्रम कानूनों (जैसे, कारखाना अधिनियम 1948) को कैसे लागू करती हैं, इस पर एक रिपोर्ट तैयार कर सकेंगे।	
चतुर्थ	श्रम कल्याण में ट्रेड यूनियनों की भूमिका:- • ट्रेड यूनियनों का अर्थ, उद्देश्य और कार्य, • यूनियनों की संरचना और प्रकार, भारत में ट्रेड यूनियन आंदोलन। • ट्रेड यूनियनों की समस्याएं, ट्रेड यूनियन की सीमाएं और लाभ। • सामूहिक सौदेबाजी - अर्थ और उद्देश्य, महत्व और आवश्यकताएं, भारत में सामूहिक सौदेबाजी।	15
	सारबिन्दु – श्रम कल्याण, • ट्रेड यूनियन, भारत में ट्रेड यूनियन, , ट्रेड यूनियन की सीमाएं, सामूहिक सौदेबाजी गतिविधि - "ट्रेड यूनियन उ उत्पादकता में बाधा डालती हैं।" मुंबई टेक्सटाइल हड़ताल या हाल ही में आईटी क्षेत्र में यूनियनीकरण के प्रयासों से संबंधित प्रतिवेदन तैयार करें।	
पंचम	समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा:- • समाज कल्याण का क्षेत्र , समाज कल्याण के सिद्धांत, समाज कल्याण के कार्य, • भारत में सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा, कर्मचारी बीमा अधिनियम, कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, मातृत्व लाभ अधिनियम, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम।	15
	सारबिन्दु – समाज कल्याण का दायरा, कर्मचारी भविष्य निधि, मातृत्व लाभ अधिनियम, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम गतिविधि - ईएसआई अधिनियम 1948, ईपीएफ अधिनियम 1952 और मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 की तुलना पर प्रतिवेदन तैयार करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे
भाग स- अनशंसित अध्ययन संसाधन		


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Dr. C.B. Gupta – Human Resource Management
2. डा. चतुर्भुज मामोरिया - सेविवर्ग प्रबंध एवं औद्योगिक सम्बंध
- 2- Dr. D.R. Sachdeva – Social Welfare administration in India
- 3- Dr. Sanjay Bhattacharya – Social Work: An Integrated Approach

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

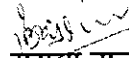
अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-	5 (5x1=5)	कुल अंक 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	खंड (बी): लघु प्रश्न -	5 (5x3=15)	
समय- 03.00 घंटे	(आंतरिक विकल्प के साथ)		
	खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -	5 (5x8=40)	
	(आंतरिक विकल्प के साथ)		

कोई टिप्पणी/सुझाव:

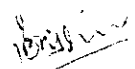

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

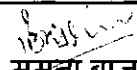
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G. Diploma		Class: M.S.W.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Master of Social Work				
1	Course Code	CC-24		
2	Course Title	Social Work Skills		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course		
4	Pre-requisite (if any)	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Social Work)		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Apply basic communication and interpersonal skills in social work practice. 2. Demonstrate core methods of social work intervention. 3. Conduct client assessment and develop appropriate intervention plans. 4. Practice ethical decision-making and maintain professional boundaries. 5. Reflect on personal growth and professional development in social work.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60		Min. Passing Marks: 40
Part B-Content of the Course				
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=				
Unit	Topics			No. of Lectures (1 Hour Each)

I	Participatory Research	15
	Participatory Research: Meaning, Concept & Work Significance Typology of Participation, Barriers & Limits, Development of PRA Principles and Method, Critical Consideration of PRA Method	
	Key word- Participatory research, typology, PRA	
	Activity- Conducting participatory study of a particular class group and preparing a report.	


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

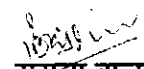
II	Participation in Development Participatory Monitoring and Evaluation: Tool of Self Monitoring, Participatory Impact Monitoring, Sustainability Analysis: Concept Institutional & project Sustainability	15
	Key word- Development, Partnership, Participatory Monitoring, Evaluation	
	Activity- Case Study Review and Comparative Analysis - Participants analyse various development projects and identify key points for improvement and prepare reports.	
III	Methods of Participation New Approaches to Participation: PLA, SARAR, Appreciative Inquiry	15
	Key word- P.L.A., S.A.R.A.R., Appreciative Inquiry	
	Activity- PLA Tools Workshop - Create posters on key Participatory Learning and Action (PLA) tools such as social mapping, seasonal calendars and ranking exercises. - Have participants use these tools to analyse their own community or work environment.	
IV	Techniques of participation Observation Features, Components & Types Recording: Purpose, Contents & Characteristics	15
	Key word- recording, content, observation, participation	
	Activity – Observation Diary Challenge - Each participant creates a daily observation diary for one week. - Document behavior, interactions, and environmental changes.	
V	Documentation: Types Features & Importance	15
	Key word- Documentation	
	Activity – Document behavior, interactions, and environmental changes.	
	Total Lectures	75 Hours


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. उत्तरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Fink, A. E. 1945 The Field of Social Work, New York, Henry Holt and Co. 2. Stroup, H. H. 1960 Social Work - An Introduction to the Field, New Delhi, Eurasia Publishing House. 3. Blaikie, Norman. 1993 Approaches in Social Enquiry, Cambridge: Polity Press. 4. Ackoff, R. L. 1962 Scientific Method: Optimizing Applied Research Designs, New York: John Wiley and Sons. 5. Geltung, J. 1961 Theory and Methods of Social Research, London: George Allen & Unwin		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	Section(A) Objective Types Questions- 5 (5x1=5) Section(B):Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) Section(C):Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

(म.प्र.)

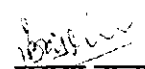

डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. उत्तरपुर

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.एस.डब्ल्यू .	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क			
1 पाठ्यक्रम का कोड	CC-24		
2 पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक कार्य कौशल		
3 पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4 पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाज कार्य) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण		
5 पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. सामाजिक कार्य अभ्यास में बुनियादी संचार और पारस्परिक कौशल को समझ सकेंगे। 2. सामाजिक कार्य हस्तक्षेप के मुख्य तरीकों का प्रदर्शन को समझ सकेंगे। 3. ग्राहक मूल्यांकन करें और उचित हस्तक्षेप योजनाएँ विकसित कर सकेंगे। 4. नैतिक निर्णय लेने का अभ्यास करें और पेशेवर सीमाएँ बनाए रखें सकेंगे। 5. सामाजिक कार्य में व्यक्तिगत विकास और व्यावसायिक विकास पर चिंतन कर सकेंगे।		
6 क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7 कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	सहभागी अनुसंधान	15
	सहभागी अनुसंधान: अर्थ, अवधारणा और कार्य महत्व	
	भागीदारी की टाइपोलॉजी, बाधाएं और सीमाएं, पी.आर.ए. का विकास	
	सिद्धांत और विधि, पी.आर.ए. विधि का महत्वपूर्ण विचार	
द्वितीय	सारबिन्दु – सहभागी अनुसंधान, टाइपोलॉजी, पी.आर.ए.	15
	गतिविधि- किसी विशेष वर्ग समूह का सहभागी अध्ययन करना एवं प्रतिवेदन बनाना।	
	विकास में भागीदारी	
	सहभागी अवलोकन और मूल्यांकन: स्व-मूल्यांकन का उपकरण, सहभागी प्रभाव अवलोकन, स्थिरता विश्लेषण: अवधारणा संस्थागत और परियोजना स्थिरता	
	सारबिन्दु – विकास , भागीदारी, सहभागी अवलोकन ,मूल्यांकन	
	गतिविधि- केस स्टडी समीक्षा और तुलनात्मक विश्लेषण	


 डॉ. ममता बाजपेयी
 अध्यक्ष, समाजशास्त्र
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	- प्रतिभागी विभिन्न विकास परियोजनाओं का विश्लेषण करते हैं और सुधार के लिए महत्वपूर्ण बिन्दु पहचानें और रिपोर्ट बनायें।	
तृतीय	भागीदारी के तरीके भागीदारी के लिए नए दृष्टिकोण: पी.एल.ए., एस.ए.आर.ए.आर., सराहनीय जांच सारबिन्दु – पी.एल.ए., एस.ए.आर.ए.आर., सराहनीय जांच गतिविधि- PLA टूल कार्यशाला - सामाजिक मानचित्रण, मौसमी कैलेंडर और रैंकिंग अभ्यास जैसे प्रमुख सहभागी शिक्षण और कार्यवाही (PLA) उपकरण संबंधी पोस्टर बनायें। - प्रतिभागी अपने स्वयं के समुदाय या कार्य वातावरण का विश्लेषण करने के लिए इन उपकरणों का प्रयोग करें।	15
चतुर्थ	भागीदारी की तकनीक अवलोकन विशेषताएं, घटक और प्रकार रिकॉर्डिंग: उद्देश्य, सामग्री और विशेषताएं सारबिन्दु – रिकॉर्डिंग, सामग्री, अवलोकन, भागीदारी गतिविधि- अवलोकन डायरी चुनौती - प्रत्येक प्रतिभागी एक सप्ताह के लिए दैनिक अवलोकन डायरी निर्माण करें। - व्यवहार, अंतःक्रियाओं और पर्यावरणीय परिवर्तनों संबंधी दस्तावेजीकरण करें।	15
पंचम	दस्तावेजीकरण: प्रकार विशेषताएं और महत्व सारबिन्दु – दस्तावेजीकरण गतिविधि- व्यवहार, अंतःक्रियाओं और पर्यावरणीय परिवर्तनों संबंधी दस्तावेजीकरण करें।	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Fink, A. E. 1945 The Field of Social Work, New York, Henry Holt and Co.
2. Stroup, H. H. 1960 Social Work - An Introduction to the Field, New Delhi, Eurasia Publishing House.
3. Blaikie, Norman. 1993 Approaches in Social Enquiry, Cambridge: Polity Press.
4. Ackoff, R. L. 1962 Scientific Method: Optimizing Applied Research Designs, New York: John Wiley and Sons.
5. Geltung, J. 1961 Theory and Methods of Social Research, London: George Allen & Unwin

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

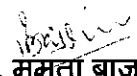
अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक, विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)	कुल अंक 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)	
समय- 03.00 घंटे	(आंतरिक विकल्प के साथ) खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	(आंतरिक विकल्प के साथ)	
कोई टिप्पणी/सुझाव:		


डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)